सीरी में डेयरी इंस्ट्रूमेंटेशन पर प्रोद्योगिकी जागरूकता कार्यशाला आयोजित

पिलानी। भारत सरकार के मेक इन इंडिया तथा स्वस्थ भारत मिशन के अंतर्गत सीएसआईआर-सीरी पिलानी में बुधवार को डेयरी इंस्ट्रूमेंटेशन पर प्रोद्योगिकी जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों से उद्यमियों एवं नए स्टार्ट अप्स को आमंत्रित किया गया था। इस अवसर पर इन उद्यमियों के अलावा संस्थान के निदेशक एवं अन्य वैज्ञानिक एवं सहकर्मी उपस्थित थे। कार्यशाला के आयोजन का उद्देश्य डेयरी इंस्ट्रूमेंटेशन के क्षेत्र में संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित विभिन्न उत्पादों की जानकारी देना था। कार्यशाला में उपस्थित उद्यमियों में चड्ढा सेल्स प्राइवेट लिमिटेड पंजाब के अमरदीपसिंह चड्ढा, जी टेक ऑटोमेशन प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक वीरेंद्रसिंह, महिंद्रा एंड महिंद्रा के कलानिधि व रोहन, आई सेंस इनोवेशन मुंबई की डॉ. स्मिता, राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स इंस्ट्रूमेंटेशन लिमिटेड रील जयपुर के अतुल शर्मा, एवरेस्ट इंस्ट्रूमेंटेशन प्राइवेट लिमिटेड गुजरात के अल्पेश ए. पटेल, तथा सुप्रीम टेस्टिंग लैब एंड फोरेंसिंग एविडेंस प्रोटेक शन टेक्नॉलोजी प्रालि नई दिल्ली के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. पी. शर्मा आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. शांतनु चौधुरी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सभी उद्यमियों और अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि संस्थान दूध में मिलावट का पता लगाने के लिए विगत 10 सालों से अनुसंधानरत है। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में दूध में रासायनिक व अन्य पदार्थों के मिलावट की घटनाएं बढ़ी हैं। हम सभी जानते हैं कि देश में दूध के मुख्य उपयोगकर्ता छोटे बच्चे हैं और दूध में की जा रही मिलावट से बच्चों सहित अन्य सभी लोगों का स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। कार्यशाला आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने यह भी कहा कि आज की यह कार्यशाला उद्यमियों को संस्थान द्वारा विकसित उत्पादों की तकनीकी जानकारी देने के साथ-साथ इसका वाणिज्यीकरण करने के उद्देश्य से आयोजित की गई है। अंत में उन्होंने संस्थान में पधारने के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। निदेशक के संबोधन के उपरांत सभी अतिथियों के समक्ष संस्थान की वैज्ञानिक उपलब्धियों के संबंध में दूरदर्शन केंद्र, राजस्थान द्वारा तैयार की गई संक्षिप्त फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। इसके उपरांत डॉ. पीसी पंचारिया, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं समूह प्रमुख, सिग्नल एनालिटिक्स समूह ने डेयरी इंस्ट्रूमेंटेशन पर पावर पॉइंट प्रस्तुतिकरण दिया। अपने प्रस्तुतिकरण में उन्होंने उपस्थित उद्यमियों को संस्थान द्वारा विकसित क्षीर स्कैनर, नियर इंफ्रा रेड (एनआइआर) आधारित फैट कंटेंट एनालाइजर, अकाउस्टिक मिल्क एनालाइजर, रैपिड मिल्क एनालाइजर, हैंड हेल्ड क्षीर टेस्टर तथा हैंड हेल्ड मिल्क फैट एनालाइजर के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए इन उपकरणों की कार्यप्रणाली समझाई। अपने प्रस्तुतिकरण में उन्होंने वर्तमान में बाजार में दूध की गुणवत्ता मापने के लिए उपलब्ध उपकरणों की तुलना करते हुए कहा कि ये उपकरण जहां एक ओर विदेशी होने के साथ-साथ महंगे हैं। वहीं इनकी कार्यक्षमता भी काफी हद तक सीमित है। उन्होंने बताया कि संस्थान द्वारा विकसित क्षीर स्कैनर, क्षीर टेस्टर तथा इनका हैंड हेल्ड संस्करणों का प्रदर्शन अलग-अलग समय पर संसद में तथा गृहमंत्री तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री के समक्ष किया जा चुका है। अभी हाल ही में क्षीर स्कैनर का हैंड हेल्ड संस्करण माननीय राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व फरवरी के प्रथम सप्ताह में नई दिल्ली स्थित सीएसआईआर मुख्यालय में आयोजित प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित डेयरी इंस्ट्रूमेंटेशन उत्पादों हैंड हेल्ड क्षीर स्कैनर, हैंड हेल्ड फैट एनालाइजर तथा रैपिड मिल्क एनालाइजर का प्रौद्योगिकी हस्तांतरण प्रदेश की प्रमुख कंपनी राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स इंस्ट्रूमेंटेशन लिमिटेड (रील) जयपुर को किया जा चुका है। इस अवसर पर सीएसआईआर के महानिदेशक डॉ. गिरीश साहनी, संस्थान के निदेशक प्रोफेसर शांतनु चौधुरी तथा राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स इंस्ट्रूमेंटेशन लिमिटेड(रील) के प्रबंध निदेशक एके जैन उपस्थित थे। आरईआईएल जयपुर के साथ हुए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण से संस्थान को रुपए 75 लाख रुपए प्राप्त होंगे। कार्यशाला का संचालन संस्थान के वैज्ञानिक प्रमोदकुमार तंवर ने किया। मुख्य वैज्ञानिक एवं प्रभारी डॉ. एसए अकबर ने धन्यवाद जताया।